

हिन्दी पखवाड़ा – 2021 शुभारंभ समारोह

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक महोदय द्वारा
दिनांक 14.09.2021 को दिया गया
उद्बोधन संदेश

प्रिय साथियों,

हिन्दी दिवस के पावन अवसर पर आप सबको मेरी हार्दिक शुभकामनाएं आप सभी जानते हैं कि हमारी संविधान सभा ने 14 सितम्बर 1949 को हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया। आज हिन्दी को राजभाषा के पद पर आसीन हुए 72 वर्ष हो चुके हैं। भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग की कार्यशैली अन्य विभागोंमंत्रालयों की कार्यशैली से अलग है फिर भी हमने राजभाषा के प्रचारप्रसार तथा संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन हेतु भरसक प्रयास किए हैं।

राजभाषा विभाग द्वारा जारी हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में हमारे कार्यालय द्वारा उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। हमारा कार्यालय हिन्दी पत्राचार, हिन्दी टिप्पणी एवं हिन्दी में किए जाने वाले अन्य कार्यों में राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। वर्ष 2019-2020 की तुलना में वर्ष 2020-2021 के दौरान कार्यालय ने अपेक्षाकृत सराहनीय कार्य किया है।

मुझे यह कहते हुए हर्ष हो रहा है कि हमारे कार्यालय को राजभाषा नीति के सर्वश्रेष्ठ कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, द्वारा प्रदान किए जाने वाले सर्वोच्च पुरस्कार [राजभाषा कीर्ति पुरस्कार वर्ष 2020-21 में “प्रथम” स्थान प्राप्त हुआ है। यह हमारे कार्यालय के लिए हिन्दी प्रगति के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि है। इसका श्रेय मुख्यालय के सभी कर्मिकों को जाता है, आप सभी इस उपलब्धि के लिए बधाई के पात्र हैं।

यह गर्व का विषय है कि राजभाषा हिन्दी की व्यापकता और सार्थकता को आज विश्व ने भी स्वीकार किया है विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेज़ी से हो रहे विकास के परिप्रेक्ष्य में, यह भी ज़रूरी हो जाता है कि राजभाषा हिन्दी इस दिनप्रतिदिन होने वाले परिवर्तनों के साथ आगे बढ़े।

मुझे यह जानकर भी खुशी हो रही है कि सूचना प्रौद्योगिकी के युग में हमारे विभाग में हिन्दी के कार्यों के लिए इसका भरपूर प्रयोग किया जा रहा है। हिन्दी पत्रिका का ई-संस्करण और ई-ऑफिस में हिन्दी का प्रयोग इसका प्रमुख उदाहरण है।

कोविड 19 महामारी ने विश्व के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी की हैं। हमारे कार्यालय के समस्त अधिकारियों व कर्मिकों ने इस कठिन समय में देश के समक्ष अपनी प्रतिबद्धता और निष्ठा का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस महामारी ने जहां एक ओर कई कठिनाइयाँ खड़ी की हैं, वहीं कई नए अवसरों को भी जन्म दिया है। इसने हमें एहसास दिलाया है कि ईश्वर ने इस देश को प्रतिभावान मानव संसाधन और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध किया है, जिसका समुचित उपयोग कर हम आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

लेखापरीक्षा के कर्तव्यों का आधार जन साधारण के हितों की रक्षा करना है, जिसका पालन विभाग द्वारा लेखाओं के निरीक्षण या लेखापरीक्षा द्वारा किया जाता है। हिन्दी भाषा लेखापरीक्षा तथा जन मानस के बीच की वह कड़ी है, जिससे लेखापरीक्षा का प्रभाव अत्यंत व्यापक हो जाता है। लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा अन्य दस्तावेज विभाग द्वारा हिन्दी भाषा में भी तैयार किये जाते हैं, ताकि लेखापरीक्षा के प्रभाव को और भी व्यापक करते हुये जन साधारण की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित हो। माननीय प्रधानमंत्री जी ने इसी आधार पर आत्मनिर्भर भारत का नारा दिया है। हम इन प्रयासों को आम लोगों की भाषा, हिन्दी के प्रयोग से और गति दे सकते हैं।

आइये, आज इस शुभ अवसर पर हम सब यह संकल्प लें कि हिन्दी के प्रयोग केवल लक्ष्य प्राप्ति तक ही सीमित नहीं रखेंगे अपितु हिन्दी के प्रयोग से हम अपनी सभ्यता एवं संस्कृति को गौरव प्रदान करेंगे और भाषा जगत में अपनी नई पहचान प्राप्त करेंगे।

अब हम हिन्दी दिवस के इस पावन अवसर पर राजभाषा प्रतिज्ञा लेंगे। मैं राजभाषा प्रतिज्ञा पढ़ूंगा और आप सभी मेरे पीछे इसे दोहराएंगे।

राजभाषा प्रतिज्ञा

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 और 351 तथा राजभाषा संकल्प 1968 के आलोक में हम केंद्र सरकार के कार्मिक यह प्रतिज्ञा करते हैं कि अपने उदाहरणमय नेतृत्व और निरंतर निगरानी से अपनी प्रतिबद्धता और प्रयासों से प्रशिक्षण और प्राइज़ से अपने साथियों में राजभाषा प्रेम की ज्योति जलाये रखेंगे उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगे। अपने अधीनस्थ के हितों का ध्यान रखते हुए अपने प्रबंधन को और अधिक कुशल और प्रभावशाली बनाते हुए राजभाषा हिंदी का प्रयोग प्रचार और प्रसार बढ़ाएंगे।

हम राजभाषा के संवर्धन के प्रति सदैव ऊर्जावान और निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

जय राजभाषा! जय हिंद!
